रस

प्रश्न 1. हास्य रस का स्थायी भाव होता है- -

(i) उत्साह

(ii) हास

(iii) आश्चर्य

(iv) रति ।

प्रश्न 2. शोक किस रस का स्थायी भाव है-

(i) रौद्र

(ii) बीभत्स

(iii) भयानक

(iv) करुण ।

प्रश्न 3. हास्य रस में विनोद का भाव क्या देखकर जाग्रत होता है-

(i) किसी की आकृति

(ii) किसी की वेशभूषा

(iii) किसी की चेष्टा

(iv) उपर्युक्त सभी।

प्रश्न 4. कौन - सा संचारी भाव हास्य रस का नहीं है-

(i) उन्माद

(ii) चपलता

(iii) कम्पन

(iv) उत्सुकता ।

GyanSindhuClasses

प्रश्न 5. किसी की विचित्र आकृति, वेशभूषा अथवा चेष्टा को देखकर हृदय में उत्पन्न विनोद के भाव को कहा जाता है-

(i) परिहास

(ii) हास

(iii) उदास

(iv) प्रलाप।

प्रश्न 6. किसी प्रिय वस्तु अथवा व्यक्ति के विनाश से उत्पन्न दुःख की संवेगात्मक स्थिति को कहते हैं-

(i) वियोग श्रृंगार

(ii) संयोग श्रृंगार

(iii) करुण रस

(iv) भयानक रस।

प्रश्न 7. करुण रस का आलम्बन विभाव होता है-

(i) विकृत आकार

(ii) नायिका का सौन्दर्य

(iii) अत्याचारी शत्रु

(iv) विनष्ट वस्तु।

प्रश्न 8. करुण रस का स्थायी भाव है-

(i) निवेद

(ii) भय

(iii) रति

(iv) शोक।

GyansindhuClasses

प्रश्न 9. हँसि - हँसि भाजैं देखि दूलह दिगम्बर को,

पाहुनी जे आवै हिमाचल के उछाह में।

सीस पर गंगा हँसे, भुजनि भुजंगा हँसे,

हास ही को दंगा भयो, नंगा के विवाह में ॥

इन पंक्तियों में रस है-

(i) हास्य

(ii) श्रृंगार

(iii) अद्भुत

(iv) शान्त।

प्रश्न 10. तात तात हा तात पुकारी! परे भूमितल व्याकुल भारी॥

चलत न देखन पायउँ तोही तात न रामहिं सौंपेंड मोही ॥

:-उपर्युक्त चौपाई में निहित स्थायी भाव है-

(i) निवेंद

(ii) शोक

(iii) क्रोध

(iv) भय।

प्रश्न 11. सर मूसर नाचत नगन, लखि हलधर को स्वाँग।

हँस हँस गोपी फिर हँसे, मनहु पिये सी भाँग ॥

- उपर्युक्त कविता में प्रयुक्त रस एवं उसका स्थायी भाव है-

(i) श्रृंगार-रति

(ii) वत्सल वात्सल्य

(iii) वीर उत्साह

(iv) हास्य-हास |

Gyansindhu Classes

प्रश्न 12. निम्नलिखित में करुण रस का उदाहरण है-

(i) ब्रज में बिरही लोग दुखारे।

(ii) उद्धारक चाहें तो आवें । यहीं रहे यह चेरी |

(iii) बाने फहराने घहराने घंटा गजन के।

(iv) राम नाम की लूट है, लूट सके तो लूट |

प्रश्न 13. किस रस में प्रिय व्यक्ति अथवा वस्तु के विनष्ट होने का दुःख होता है-

(i) संयोग श्रृंगार में

(ii) वियोग श्रृंगार में

(iii) करुण रस में

(iv) शान्त रस में।

प्रश्न 14. राम राम कहि राम कहि, राम राम कहि राम ।

तन परिहरि रघुपति विरह, राउ गयउ सुरधाम ॥

- इन पंक्तियों में प्रयुक्त रस है-

(i) भक्ति रस

(ii) शान्त रस

(iii) हास्य रस

(iv) करुण रस।

प्रश्न 15. जेहि दिसि बैठे नारद फूली । सो दिसि तेही न बिलोकी भूली ॥

पुनि-पुनि मुनि उकसहिं अकुलाहीं । देखि दसा हर-गन मुसकाहीं ॥

- उपर्युक्त पंक्तियों में प्रयुक्त रस है-

(i) करुण रस

(ii) हास्य रस

(iii) अद्भुत रस

(iv) बीभत्स रस।

Gyansindhu classes